समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने के बाद रविंद्र जडेजा ने खोला दिल, कहा ऐसी बात जो टीम मैनेजमेटं को लगेगी मिर्ची

Publisher

Published on 14 Oct 2025

भारतीय क्रिकेट टीम ने दिल्ली में खेले गए **दूसरे टेस्ट मैच** में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराकर सीरीज में शानदार जीत हासिल की। इस मैच और पूरे सीरीज के प्रदर्शन के बाद **रविंद्र जडेजा** को प्लेयर ऑफ द सीरीज का सम्मान मिला। जीत के जश्न के बीच जडेजा ने अपने दिल की कुछ ऐसी बातें साझा कीं, जो न केवल फैंस के लिए हैरान करने वाली थीं, बल्कि टीम मैनेजमेंट को भी सोचने पर मजबूर कर सकती हैं।

जडेजा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, “प्लेयर ऑफ द सीरीज बनना मेरे लिए गर्व की बात है, लेकिन यह मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने पिछले कुछ मैचों में संघर्ष किया और कभी-कभी खुद पर भरोसा खोता महसूस किया। टीम मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ के साथ संवाद करते हुए मैंने अपने दर्द और चुनौतियों को साझा किया। मुझे लगता है कि यह अनुभव हर युवा खिलाड़ी को समझना चाहिए कि सफलता केवल संख्या और रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और संघर्ष से आती है।”

उन्होंने यह भी कहा कि सीरीज के दौरान उन्होंने कई बार अपनी कमजोरियों को देखा और उन पर काम करने की कोशिश की। जडेजा ने खुलासा किया कि टीम के कुछ निर्णय उनके खेल और स्थिति के लिए चुनौतीपूर्ण थे। “कुछ समय में ऐसा लगा कि मेरी भूमिका पर सवाल उठाया जा रहा है, लेकिन मैंने खुद को संभाला और टीम के लिए पूरी तरह से योगदान देने का प्रयास किया। यह वह पल था जब मैंने सीखा कि दबाव में भी संतुलन बनाए रखना कितना जरूरी है।”

विशेषज्ञों का कहना है कि जडेजा का यह बयान टीम मैनेजमेंट के लिए **सावधानी का संकेत** है। उन्होंने खुले तौर पर अपने अनुभव और कठिनाइयों को साझा किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि खिलाड़ियों के मानसिक और भावनात्मक पक्ष को भी समझना जरूरी है। जडेजा की ईमानदारी ने यह दिखाया कि क्रिकेट केवल शारीरिक प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्म-विश्वास भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मैच का विश्लेषण करें तो जडेजा ने अपने हर पहलू में योगदान दिया। गेंदबाजी में महत्वपूर्ण विकेट लिए, बैटिंग में समय के अनुसार रन बनाए और क्षेत्ररक्षण में भी कमाल का प्रदर्शन किया। उनकी यह बहुमुखी भूमिका ही उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज बनाती है। हालांकि, जडेजा ने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत प्रयास का परिणाम नहीं है, बल्कि टीम के हर सदस्य की मेहनत और समर्थन का परिणाम है।

जडेजा के बयान ने सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी। फैंस ने उनके ईमानदार और खुलकर अपने दर्द साझा करने की प्रशंसा की। कई लोग इसे टीम के भीतर खुले संवाद की आवश्यकता के रूप में देख रहे हैं, ताकि खिलाड़ी न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत रह सकें। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर जडेजा के बयान को लेकर सक्रिय बहस चल रही है।

टीम मैनेजमेंट के लिए यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि खिलाड़ियों की भावनाओं और मानसिक स्थिति को समझना आवश्यक है। जडेजा ने स्पष्ट किया कि कठिन समय में टीम के सहयोग और समर्थन से ही उन्होंने अपने प्रदर्शन में स्थिरता बनाए रखी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि युवा खिलाड़ियों को संघर्ष और दबाव को सकारात्मक तरीके से हैंडल करना सीखना चाहिए।

जडेजा के बयान ने यह दिखाया कि क्रिकेट केवल स्कोरबोर्ड और आंकड़ों का खेल नहीं है। यह खेल **मानसिक दबाव, रणनीतिक निर्णय और टीम भावना** का भी मिश्रण है। उनकी यह प्रतिक्रिया दर्शकों और टीम दोनों के लिए प्रेरणादायक रही।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.